ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

31-07-2023

कई बच्चे बॉडी कान्सेस के कारण बार-बार कहेंगे ''मैं'' यह समझता हूँ, ''मैंने'' जो कहा वही ठीक है, ''मैंने'' जो सोचा वही ठीक है - यह रॉयल रूप का मैं-पन नम्रचित बनने नहीं देता। यही ''मैं-पन'' कमजोर बना देता है, कमजोर आत्मा कहेगी मैं तो इतना सहन नहीं कर सकती, इतना निर्मान तो नहीं बन सकती, इतनी समस्यायें पार नहीं कर सकती इसलिए पहले ''मैं'' ''मैं'' की बलि चढ़ाओ तब विश्व नव निर्माण का कार्य सम्पन्न कर सकेंगे।

Be humble and construct the new world

Because of body consciousness, some children repeatedly say "I feel this, I think this, whatever I said is fine, whatever I thought is fine." This royal form of the consciousness of "I" does not allow you to be humble-hearted. This consciousness of "I" makes you weak. A weak soul would say, "I cannot tolerate so much, I cannot be so humble, I cannot overcome so many problems". This is why you first have to surrender "I, I", and only then will you be able to accomplish the task of world renewal.